अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 63

प्रयागराज मंगलवार 19 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी(आप) छोड़ने वाले अरविंद केजरीवाल सरकार में परिवहन मंत्री रहे दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के नेता कैलाश गहलोत आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा उपाध्यक्ष विजयंत पांडा, पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता ने श्री गहलोत को अंगवस्त्र पहना कर और सदस्यता पर्ची सौंप कर भाजपा में स्वागत किया। इस अवसर पर श्री गहलोत ने कहा कि वह किसी दबाव में आकर भाजपा में नहीं आए हैं। आज तक कभी किसी के दबाव में आकर कोई काम नहीं किया। वह अन्ना हजारे के आंदोलन में शामिल हो कर श्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी की सेवा के लिए राजनीति में आए थे। उनकी तरह ही लाखों कार्यकर्ता विचार से जुड़े थे।

छह देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र सौंपे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। छह देशों के राजनयिकों ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किये। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति ने स्विट्जरलैंड, जॉर्डन, पापुआ न्यू गिनी, दक्षिण अफ्रीका, म्यांमार और मिस्र के राजनयिकों के परिचय पत्र स्वीकार किए। परिचय पत्र प्रस्तुत करने वाले राजनयिकों में स्विट्जरलैंड की राजदूत माया टिसफी, जॉर्डन के राजदूत यूसुफ मुस्तफा अली अब्देल गनी, पापुआ न्यू गिनी के उच्चायुक्त विंसेंट सुमाले, दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त प्रोफेसर अनिल सूकलाल, म्यांमार के राजदूत जॉ ऊ और मिस्र के राजदूत कामेल जायद कामेल गलाल शामिल है।जिन लोगों ने अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया उनमें चाड गणराज्य के राजदूत डिल्ला लुसिएन भी शामिल थे। बुरुंडी गणराज्य के राजदूत ब्रिगेडियर जनरल अलॉयस बिजिंदावी ने भी मुर्मू को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया। फिनलैंड गणराज्य के राजदूत किम्मो लाहदेविर्ताय अंगोला गणराज्य के राजदूत क्लेमेंटे पेड्रो फ्रांसिस्को कैमेनहाय और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य इथियोपिया के राजदूत डेमेके अल्माफू अम्बुलो उन लोगों में शामिल थे।

राजमहल में सीएम योगी का ऐलान

डेढ़ लाख युवाओं को देंगे नौकरी

● झारखंड को लूटने वालों को जनता देगी जवाब, सीएम योगी बोले- लोगों को बांटने वाले नेता समाज और देश के दुश्मन

राजमहल (साहिबगंज),(एजेंसी)। झारखंड में सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि उनके संरक्षण में राज्य के कुछ हिस्सों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये अवैध गतिविधियों के केंद्र में तब्दील कर रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ''23 नवंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद इन घुसपैठियों को झारखंड से बाहर निकाल दिया जाएगा और जनता के लिए निर्धारित धन को लूटने वाले झामुमो नीत गठबंधन के नेताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा।'' आदित्यनाथ ने वादा किया कि राजग सरकार के तहत कम से कम डेढ़ लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''राजमहल और साहिबगंज जैसे इलाके बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं द्वारा संचालित अवैध गतिविधियों के केंद्र बन गए हैं। झामुमो नीत गठबंधन के नेता, जो उनके 'रहनुमा' हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।'' साहिबगंज के राजमहल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने लोगों से जाति के आधार पर समाज को बांटने वाले नेताओं से सावधान रहने का आग्रह किया और उन्हें 'समाज एवं देश का दुश्मन' बताया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समृद्ध झारखंड के सपने को कमजोर करने के लिए भी झामुमो–राजद–कांग्रेस गठबंधन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य में समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद यहां गरीबी है। भारत के ऐतिहासिक विभाजन का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''जब हिंदू विभाजित थे, तो उन्हें अयोध्या, काशी और मथुरा में गुलामी तथा अपमान का सामना करना पड़ा। अब यह समय है 'एक रहेंगे, सेफ रहेंगे, न बंटेंगे, न कटेंगे'।'' उन्होंने कहा कि रुझानों से संकेत मिल रहे हैं कि झारखंड में राजग दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। आदित्यनाथ ने कहा, ''उत्तर प्रदेश की तरह केवल डबल इंजन वाली सरकार ही झारखंड में घुसपैठ, गोहत्या और महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों का समाधान है।''

राहुल गांधी बोले, कौन एक–कौन सेफ?

अमित शाह के बेटे ने कभी बैट नहीं उठाया, वो क्रिकेट के इंचार्ज बन गए। 6 या 7 लोग मिलकर देश चला रहे हैं और सोचते हैं देश की जनता चुप रहेगी।

राहुल गांधी,
रायबरेली सांसद

● राहुल गांधी ने दिखाया 'एक हैं तो सेफ हैं' का कांग्रेस वर्जन, अडानी–मोदी पर किया सीधा वार

मुंबई,(एजेंसी)। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र का चुनाव विचारधाराओं का चुनाव है। यह एक–दो अरबपतियों और गरीबों के बीच का चुनाव है। अरबपति चाहते हैं कि मुंबई की जमीन उनके हाथ में जाए। एक लाख करोड़ रुपये एक अरबपति को दिए जाने की योजना है। महाराष्ट्र, महाराष्ट्र के किसानों, गरीबों, बेरोजगारों, युवाओं को मदद की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्एक हैं तो सेफ हैंश के नारे पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को धारावी परियोजना को लेकर पीएम मोदी और महाराष्ट्र सरकार को जमकर घेरा। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन राहुल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने एक तिजोरी सबके सामने रखी। उस पर लिखा था, श्एक हैं तो सेफ हैंश। उन्होंने तिजोरी के अंदर से दो पोस्टर निकाले। इसमें से एक पर उद्योगपति गौतम अदाणी और पीएम मोदी की तस्वीर थी और दूसरे पर धारावी परियोजना की। इसे दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यही है– पीएम मोदी का एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आपको श्एक हैं तो सेफ हैंश के नारे को अच्छे समझाया है। एक कौन हैं– वह नरेंद्र मोदी जी हैं, अदाणी हैं, अमित शाह जी है। सेफ हैं तो कौन हैं– अदाणी जी सेफ हैं। कष्ट किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। नुकसान किसको होगा तो धारावी की जनता को होगा। हिंदुस्तान की छोटी और मध्यम उद्योग, जिसका प्रतीक धारावी है, उसे एक व्यक्ति के लिए खत्म किया जा रहा है। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र का चुनाव विचारधाराओं का चुनाव है। यह एक–दो अरबपतियों और गरीबों के बीच का चुनाव है। अरबपति चाहते हैं कि मुंबई की जमीन उनके हाथ में जाए। एक लाख करोड़ रुपये एक अरबपति को दिए जाने की योजना है। हमारी सोच है कि महाराष्ट्र, महाराष्ट्र के किसानों, गरीबों, बेरोजगारों, युवाओं को मदद की जरूरत है। हम हर महिला के बैंक खाते में 3000 रुपये जमा करेंगे, महिलाओं और किसानों के लिए फ्री बस यात्रा होगी, तीन लाख रुपये तक के कर्ज माफ किए जाएंगे, सोयाबीन के लिए 7,000 रुपये प्रति क्विंटल का एलान हमने किया है। जाति जनगणना जो हम तेलंगाना, कर्नाटक में करवा रहे हैं, हम इसे महाराष्ट्र में भी करवाएंगे। राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस की बड़ी बातें महाराष्ट्र चुनाव कुछ अरबपतियों और गरीबों की विचारधारा के बीच की लड़ाई जाति जनगणना हमारे सामने सबसे बड़ा मुद्दा है और हम इसे करेंगे हम आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे धारावी वहां रहने वालों कीय पूरी मशीनरी एक व्यक्ति की मदद में लगी।

जनता को अंधेरे में धकेल देने वाला महाअघाड़ी

● नड्डा बोले- सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में जा बैठे उद्धव ठाकरे

मुम्बई,(एजेंसी)। नड्डा ने कहा कि महायुति, एक उगता सूरज है, जो महाराष्ट्र को रोशनी देगा, जबकि महाअघाड़ी महाराष्ट्र को अंधेरे में धकेल देने वाला है। महायुति, महाराष्ट्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है, जबकि महाअघाड़ी आपकी तकलीफों को और बढ़ाएगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवी मुंबई में एक चुनावी रैली में कहा कि हम ऐसी सरकार दे रहे हैं जो लोगों के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीति के मोर्चे पर दुनिया को प्रधानमंत्री मोदी में उम्मीद की किरण नजर आ रही है। नड्डा ने कहा कि दस साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राजनीति की एक नयी संस्कृति और परिगढ़ी है। जे पी नड्डा ने कहा कि आज हमारी सरकार, श्जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी किया हैश ऐसी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को 5वें नंबर पर पहुंचाया है। आज भारत, ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनाइए, मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नड्डा ने कहा कि महायुति, एक उगता सूरज है, जो महाराष्ट्र को रोशनी देगा, जबकि महाअघाड़ी महाराष्ट्र को अंधेरे में धकेल देने वाला है। महायुति, महाराष्ट्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है, जबकि महाअघाड़ी आपकी तकलीफों को और बढ़ाएगा। विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि आज राहुल गांधी, संविधान की पुस्तक लेकर घूमते हैं। उन्होंने संविधान की पुस्तक को पढ़ा नहीं है, बस लेकर घूमते हैं। क्योंकि बाबा साहेब ने संविधान में लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आज कर्नाटक में प्राइवेट ठेकेदारों को टेंडर देने में भी मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। आज तेलंगाना में SC&ST&OBC के आरक्षण को मुसलमानों को देने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि बाला साहब ठाकरे ने कहा था कि अपनी पार्टी खत्म कर दूंगा, लेकिन कांग्रेस के साथ समझौता नहीं करूंगा, लेकिन आज उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में जा बैठे हैं। बाला साहब ठाकरे के विचारों को एकनाथ शिंदे जी ने आगे बढ़ाया है।

कांग्रेस भाजपा पर संविधान में बदलाव करने का झूठा आरोप लगा रही: गडकरी

ठाणे (महाराष्ट्र),(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि यह कांग्रेस ही है जिसने 1975 में आपातकाल के दौरान संविधान में संशोधन किया, लेकिन अब वह बेबुनियाद दावे कर रही है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान को बदलने की योजना बना रही है। गडकरी ने महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले रविवार रात ठाणे शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी संविधान की मुख्य विशेषताओं में बदलाव नहीं कर सकता। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने देश में तेजी से क्षेत्रों के शहरीकरण के मद्देनजर टिकाऊ बुनियादी ढांचा तैयार करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अपनी चुनावी रैलियों में आरोप लगाया है कि भाजपा संविधान को नष्ट करने के लिए काम कर रही है। कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए गडकरी ने कहा, ''कोई भी संविधान की प्रमुख विशेषताओं को नहीं बदल सकता।

कारोबार की चिंता

ये तथ्य सचमुच बेतुका लगता है कि भारत में 95.8 फीसदी छातों और 92 प्रतिशत कृत्रिम फूलों की आपूर्ति चीन करता है। ये वो उत्पाद हैं, जिन्हें बनाने के लिए ना तो ज्यादा पूंजी की जरूरत है और ना ही किसी खास तकनीक या कौशल की।

भारत के विदेश व्यापार के बारे में इस वर्ष के पहले छह महीनों के बारे में सामने आई जानकारी से स्पष्ट है कि चीन से कारोबार को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। जो परिस्थितियां हैं, उनके रहते चीन से व्यापार घाटा पाटने की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) नाम की संस्था ने इस कारोबार का बारीक विश्लेषण पेश किया है। उसने कहा है कि चीन से हो रहे आयात से भारत के सूक्ष्म, लघु एव मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को क्षति पहुंच रही है। छातों, खिलौनों, कुछ प्रकार के वस्त्र, संगीत उपकरणों आदि की देश में होने वाली कुल खपत में आधे से ज्यादा हिस्सा चीनी आयात का है। तो सवाल वाजिब है कि फिर भारतीय छोटे उद्यम कैसे आगे बढ़ेंगे? जीटीआरआई ने कहा है– श्चीनी उत्पाद इतने सस्ते हैं कि भारतीय एमएसएमई के लिए उनसे प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाता है। उन्हें अपने को बचाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।य ये तथ्य सचमुच बेतुका लगता है कि भारत में उपयोग होने वाले 95. 8 फीसदी छातों और 92 प्रतिशत कृत्रिम फूलों की आपूर्ति चीन करता है।

ये तमाम वो उत्पाद हैं, जिन्हें बनाने के लिए ना तो ज्यादा पूंजी की जरूरत है और ना ही उसमें किसी खास तकनीक या कौशल की जरूरत पड़ती है। इन क्षेत्रों में भारतीय उद्यम नहीं फले–फूलेंगे, तो फिर हाई टेक क्षेत्रों में भारतीय उद्यमी क्या कर पाएंगे? इस वर्ष के पहले छह महीनों में भारत ने चीन से 50.4 बिलियन डॉलर का कुल आयात किया। इसी दौर में व्यापार घाटा 41 बिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गया। भारत के पूर्व नौकरशाहों के थिंक टैंक जीटीआरआई ने कहा है कि भारत को मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में गहरा निवेश करना चाहिए, ताकि चीन पर देश की यह निर्भरता घटाई जा सके। यह कोई नया सुझाव नहीं है। सवाल है कि ऐसा आज तक क्यों नहीं किया गया और आगे ऐसा हो सकने की क्या संभावना है? चीन ने सब्सिडी, सस्ते इन्फ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता और नियोजन का व्यापक ढांचा खड़ा कर रखा है। इस परिस्थिति में उसका वर्चस्व तोडने का क्या रास्ता है?

भारत के पोषण लाभ और प्रगति

डॉ. राजन शंकर, डॉ. राजन शंकर

समग्र कल्याण के लिए अच्छा पोषण बेहद जरुरी है और राष्ट्र के स्वास्थ्य और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। पर्याप्त पोषण मिलने से, खासकर गर्भावस्था के दौरान, जन्म लेने वाले शिशु स्वस्थ होते हैं और उनकी जीवनभर बेहतर स्वास्थ्य के साथ जीवन का आनंद लेने की संभावना ज्यादा होती है। बचपन में उचित पोषण प्राप्त होने का असर बच्चों की बेहतर आईक्यू, उत्पादकता में वृद्धि और वयस्क होने पर बेहतर धन संग्रह पर भी पड़ता है। गर्भाधान के पहले 1,000 दिनों के दौरान पोषण को प्राथमिकता देना, किसी भी पीढ़ी में कुपोषण के चक्र को तोडने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले साल कोपेनहेगन सहमति की एक रिपोर्ट के अनुसार, सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पोषण में निवेश करना सबसे प्रभावी रणनीति है।

इस संदर्भ में, यह जानना बेहद जरुरी है कि शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा भी कुपोषण के दीर्घकालिक प्रभाव देखे जाते है, जो खासकर सामाजिक–आर्थिक स्थितियों को भी प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में पीएम–पोषण योजना, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) जैसे विभिन्न मंत्रालयों के सहयोगात्मक प्रयास इसी समझ को दर्शाते हैं।

पोषण में आत्मनिर्भररू आंगनवाड़ी और पोषण वाटिका

महिला और बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 जैसे कार्यक्रम, पोषण परिणामों में सुधार लाने और बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और नर्सिंग माताओं में कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करने के मकसद से संस्थागत समर्थन का एक अनूठा मॉडल पेश करते हैं। सक्षम आंगनवाड़ी पहल के तहत, आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी) बुनियादी पोषण सहायता के इतर भी व्यापक सेवाएं प्रदान करते हैं। इन सेवाओं में स्वस्थ भोजन, प्रसवपूर्व और प्रसव के बाद की देखभाल, स्तनपान की प्रक्रिया और पूरक आहार के महत्व पर मार्गदर्शन देना शामिल हैं। अपने नियमित स्वास्थ्य जांच अभ्यासों के जरिए, यह कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के लिहाज से बच्चों का मूल्यांकन करता है और उचित सहायता प्रदान करता है।

आंगनवाड़ी केंद्रों को बचपन के समय में ही प्रारंभिक विकास को बढ़ावा देते हुए मातृ एवं बाल पोषण प्रयासों में सहायता करके, देखभाल की निरंतरता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कुपोषण से निपटने के लिए नीति निर्माण में डेटा–संचालित समाधान सुनिश्चित करने में होने वाली प्रगति ही पोषण ट्रैकर की शुरूआत है। यह बेहद सक्रिय मंच, पोषण सेवाओं की योजना, निष्पादन और निगरानी में सहायता करता है ताकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की पहचान कर सकें और सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके।

इस योजना के तहत एक अन्य पहल पोषण वाटिका (पोषण उद्यान) की भी शुरुआत की गई है। आमतौर पर आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थापित इन किचन गार्डन का मकसद ताजा, स्थानीय रूप से उगाई गई सब्जियां और फल प्रदान करके बच्चों और महिलाओं के पोषण को बेहतर बनाना है। यह पहल न केवल सबसे जरुरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता में सुधार करती है बल्कि आत्मनिर्भरता और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर समुदायों को सशक्त भी बनाती है। यह खाद्य योजनाओं को स्थानीय कृषि–जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की अनुमति देता है, आहार विविधता और सतत् भोजन लेने की विचारधारा का समर्थन करता है।

जलवायु परिवर्तन के बीच खाद्य प्रणालियों की संवेदनशीलता के संदर्भ में भारत ने बाजरा को बढ़ावा दिया है, जो जलवायु के लिहाज से बेहतर और ज्यादा पौष्टिक हैं। वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय

बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता प्राप्त, ये फसलें प्रोटीन,जरुरी फैटी एसिड, फाइबर, विटामिन बी और प्रमुख खनिजों से भरपूर हैं, जो खासकर महिलाओं और बच्चों में एनीमिया जैसी कमियों को दूर करने में मदद करती हैं। बाजरा पोषण अभियान का एक प्रमुख भाग है और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और छोटे बच्चों को प्रदान किए जाने वाले पूरक पोषण में शामिल है।कमजोर लोगों तक पहुंच बनानारू ज्यादा कुपोषण वाले वर्ग का सामुदायिक प्रबंधन

पोषण एक बहुक्षेत्रीय मुद्दा है, जिसके लिए बहु–क्षेत्रीय समाधानों की जरुरत है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से, कुपोषित बच्चों के प्रबंधन के लिए हाल ही में शुरू किया गया प्रोटोकॉल, बच्चों, खासकर गंभीर रुप से कुपोषण वाले बच्चों में कुपोषण की पहचान करने और उनका प्रबंधन करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। सामुदायिक सक्रियता, नियमित स्क्रीनिंग और निगरानी जैसी जरुरी कार्यनीतियों को रेखांकित करते हुए, ये दिशा–निर्देश न केवल एक समग्र दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर कुपोषण के प्रबंधन को कारगर बनाने के लिए, लागत के लिहाज से अनुकूल उपाय भी प्रदान करते हैं।इस कार्यक्रम में जब गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) वाले बच्चों का चिकित्सा संबंधी समस्याओं के लिए मूल्यांकन किया जाता है, तो ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) को लेकर अतिरिक्त जांच की जाती है। जटिलताओं या कम भूख लगने की समस्या से ग्रसित बच्चों को पोषणिक पुनर्वास केन्द्रों(एनआरसी) या कुपोषण उपचार केन्द्रों (एमटीसी) भेजा जाता है, जबकि चिकित्सीय जटिलताओं से रहित बच्चों का उपचार आंगनवाड़ी केन्द्रों में किया जाता है। कई राज्यों में, सामुदायिक प्रणाली में गंभीर तीव्र कुपोषण के जटिल मामलों के प्रबंधन पर फोकस करने के लिए ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस के दौरान फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं दृ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के बीच बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

सुधार के अवसर

कुपोषण के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमने एक लंबा सफर तय किया है, लेकिन फिर भी चुनौतियां बरकरार हैं। मौजूदा कार्यक्रमों ने बच्चों में मध्यम और गंभीर तीव्र कुपोषण दर में सुधार और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों को बढ़ाते हुए एक ठोस नींव रखी है। हांलाकि, विशेष रूप से गैर–गर्भवती और गैर–स्तनपान कराने वाली महिलाओं, खासकर ऐनीमिया जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से पीडिघ्त किशोरियों के लिए निरंतर कोशिशें होना जरुरी है। इस समूह के लिए समर्पित हस्तक्षेप और मंचों की आवश्यकता है।

पोषण से जुड़े परामर्श कई पहलों का अभिन्न अंग है। समुदाय के नेताओं और समुदाय को शिक्षित और प्रशिक्षित करना, स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार संदेशों को तैयार करना और कार्यक्रम के विकास में समुदायों को शामिल करना, पोषण की आदतों में सुधार लाने के लिए बेहद जरुरी है। रणनीतियों को खाद्य उपलब्धता, आर्थिक स्थितियों और सामाजिक कारकों को भी संबोधित करना चाहिए, ताकि पोषण सेवाएं सुलभ और व्यावहारिक हो सकें।

सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, सामुदायिक संगठनों और नीति निर्माताओं समेत सभी हितधारकों के बीच सहयोग आवश्यक है। एक सहयोगी और समावेशी दृष्टिकोण, अधिक प्रभावशाली और लंबे समय तक चलने वाले बदलाव को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा।

भारत ने अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर काबू पाने का मार्ग दिखाया है। वर्तमान कार्यक्रम की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, कुपोषण के चक्र को तोडने और एक स्वस्थ और अधिक विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढने में पर्याप्त प्रगति की जा सकती है।

एक चिकित्सक और सेना मेडिकल कोर से चिकित्सा और एंडोक्रिनोलॉजी में सेवानिवृत्त वरिष्ठ सलाहकार हैं। उन्होंने इससे पहले टाटा ट्रस्ट में पोषण निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दी। टाटा ट्रस्ट में अपनी भूमिका से पहले, डॉ. शंकर ग्लोबल एलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (जीएआईएन) में दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रतिनिधि थे, जहाँ उन्होंने भारत में कार्यक्रम विकास और अनुदान प्रबंधन में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत में यूनिसेफ के बाल विकास और पोषण अनुभाग में एक परियोजना अधिकारी के रूप में काम किया। डॉ. शंकर ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए हैं।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कंन्जेशन घटेगा और खर्राटे कम होंगे

विष्णु प्रिया सिंह

सोने से दो घंटे पहले खाना खाने की आदत डालें। रात में हल्का खाना खायें। सोने से पहले नाक और गला अच्छी तरह साफ करें जिससे कंजेशन घटे और खर्राटों की आवाज कम हो। स्मोकिंग, शराब और सेडेटिव्स को ना कहें। इनसे गले के टिश्यू ढीले जाते हैं जो कारण बनते हैं खर्राटों का।

खर्राटे, आदमी खुद चौन से सोता है लेकिन पास वालों का सोना मुश्किल। लोगों के तलाक हो जाते हैं इनकी वजह से। क्यों लेते हैं लोग खर्राटे? क्या ये किसी बीमारी के सिम्पटम हैं या कुछ और। आइये जानें खर्राटों के कारण और छुटकारा पाने के तरीकों को।

अगर आप खर्राटे लेते हैं, तो शर्मिन्दा होने की जरूरत नहीं, ऐसा करने वाले आप अकेले नहीं। ये कॉमन फिनोमिना है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर के 45 प्रतिशत वयस्क खर्राटे लेते हैं। इनमें 25 प्रतिशत तो रोजाना। जेन्डर के हिसाब से महिलायें कम, पुरुष ज्यादा खर्राटे लेते हैं और जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, खर्राटे भी बढ़ जाते हैं।खर्राटे यानी सोते समय सांस लेने की आवाज। जो आती है सांस की नली में कंजेशन से। जितना ज्यादा कंजेशन उतनी ज्यादा आवाज। आमतौर पर नाक में कंजेशन, गले में सूजन, डैमेज टिश्यू, गर्दन पर ज्यादा चर्बी या मुंह में स्ट्रक्चरल प्रॉब्लम से सांस खुलकर नहीं आती, जिससे सोते समय तरह–तरह की आवाजें निकलती हैं।कुछ लोगों को खर्राटे आते हैं स्लीप अपेनिया के कारण। ये जन्मजात बीमारी है। इनके अलावा टॉन्सिल्स में सूजन, तालू में उभार, बड़ी जीभ, गलत पोजीशन में सोना, ज्यादा शराब, स्लीपिंग पिल्स, सेडेटिव्स, मोटापा, एलर्जी और सर्दी से भी लोग खर्राटे लेते हैं।खर्राटों से मुक्ति के लिये पहले उपाय के रूप में सोते समय 4 इंच मोटा तकिया रखकर सोने की आदत डालें। हमेशा करवट लेकर सोयें, हो सके तो बांयी। इससे कन्जेशन घटेगा और खर्राटे कम होंगे।कुछ लोगों को खर्राटे आते हैं सांस की नली के टिश्यू ढीले होने से। इनकी रिपेयरिंग के लिये प्रतिदिन 7 से 9 घंटे की नींद लें। जैसे–जैसे टिश्यू रिपेयर होंगे, खर्राटे धीरे–धीरे कम हो जायेंगे।

कई बार गले और श्वसन नलिका में सूजन वजह होती है खर्राटों की। इसे दूर करने के लिये रोजाना एक चम्मच शहद खायें। शहद की एंटी–इंफ्लामेटरी प्रॉपर्टीज, सूजन घटाकर, खर्राटे घटाने में मदद करती हैं।सूजन घटाकर, टिश्यू रिपेयर करने में जिंजर–गारलिक भी कारगर है। खर्राटे कम करने के लिये खाने में इनकी मात्रा बढ़ायें। अगर नॉन वेजीटेरियन हैं तो गर्दन की अतिरिक्त चर्बी हटाने के लिये रेड मीट खाना बंद कर मछली खाना शुरू करें। मछली में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड, अतिरिक्त चर्बी हटाने में मदद करता है।

डाइट में दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट कम करें। इनसे म्यूकस बनता है। नार्मल दूध के बजाय हल्दी वाला दूध पियें। ये सांस की नली की सूजन घटाकर वायु प्रवाह ठीक करने में मदद करता है। गले का कंजेशन घटाने के लिये चाय की जगह मिंट या ग्रीन टी पियें। कंजेशन होता है म्यूकस के कारण। शरीर से म्यूकस निकालने के लिये प्रतिदिन कम से कम तीन लीटर पानी पियें।खर्राटे कम करने में आजकल नेजल स्ट्रिप का इस्तेमाल आम है, इससे सांस की नली में वायु प्रवाह बेहतर होता है। जिससे खर्राटे कम आते हैं।सोने से दो घंटे पहले खाना खाने की आदत डालें। रात में हल्का खाना खायें। सोने से पहले नाक और गला अच्छी तरह साफ करें जिससे कंजेशन घटे और खर्राटों की आवाज कम हो। स्मोकिंग, शराब और सेडेटिव्स को ना कहें। इनसे गले के टिश्यू ढीले जाते हैं जो कारण बनते हैं खर्राटों का।अगर इन उपायों से खर्राटे कम न हों तो समझिये मामला गम्भीर है। हो सकता है खर्राटों की वजह मुंह का स्ट्रक्चरल डिफेक्ट या स्लीप अपेनिया जैसी बीमारी हो। ऐसे में डॉक्टर से कन्सल्ट करें। आज इनसे निजात दिलाने के लिये पैलेटल इम्प्लांट, सेप्टोप्लास्टी, सोमनोप्लास्टी और यूपी–पीपी जैसे कई तरीके उपलब्ध हैं। आपके लिये कौन सा बेहतर है ये सिर्फ डॉक्टर ही बता सकते हैं।याद रखें, खर्राटे कोई ऐसी समस्या नहीं जो ठीक न हो। इनसे निजात पाने के लिये बस इनकी वजह पता होनी चाहिये। वैसे तो ये जानलेवा नहीं होते। लेकिन इन्हें हल्के में न लें। समय से इलाज न कराने पर रिश्तों में खटास, ध्यान केन्द्रित करने में परेशानी, हाई बीपी और स्ट्रोक जैसी समस्यायें हो सकती हैं। अगर खर्राटों के साथ सांस फूलना, रात में बार–बार यूरीनेशन, दिन में ज्यादा नींद, गले में खराश, मुंह सूखना और सुबह सिरदर्द जैसे सिम्पटम फील हों तो बिना देर किये डॉक्टर से कन्सल्ट करें।

जमीनी स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहित करना

सुश्री शोभा करंदलाजे

वर्तमान समय में, विश्व तीव्र गति से एक ऐसे तकनीकी भविष्य की ओर बढ़ रहा है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक आख्यान का केंद्र बिंदु बन गया है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत का लक्ष्य हमारे युवाओं, विशेष रूप से अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति से आने वाले समुदायों, महिलाओं, दिव्यांगजनों, पूर्व सैनिकों और आर्थिक रूप से वंचित नागरिकों जैसे पारंपरिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों से उद्यमिता को एक व्यवहार्य कैरियर मार्ग के रूप में लेने के लिए प्रेरित करना है।

उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम का विजन केवल कारोबार के सृजन तक ही नहीं, बल्कि इससे आगे तक जाता है। यह बेरोजगारी को संबोधित करने के साथ–साथ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसके साथ ही, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सेक्टर में ऋण गारंटी योजना की घोषणा से प्रसन्नता की लहर है, जो मशीनरी के लिए 100 करोड़ रुपये तक के जमानत–मुक्त ऋण उपलब्ध कराती है और यह सीधे तौर पर किफायती ऋण तक पहुंच की महत्वपूर्ण चुनौती को संबोधित करती है तथा कारोबारियों को अपने व्यवसाय में उन्नत प्रौद्योगिकी में निवेश करने और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सशक्त बनाती है। ऋण के इस प्रजातंत्रीकरण से बहुत सारे छोटे और उभरते हुए व्यवसायों को लाभ पहुंचना तय है। यही कारोबार जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देंगे और इससे धन–संपत्ति का जो सृजन होगा, वह समाज के सभी वर्गों तक तेजी तक पहुंचेगा।

इस वर्ष के केंद्रीय बजट में संकट की अवधि के दौरान ऋण सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था को शुरू किया गया है, जो सरकार–गारंटीड निधि द्वारा समर्थित है और ये व्यवसायों को गैर–निष्पादित परिसंपत्ति बनने से रोकने में मदद करता है और समग्र आर्थिक स्थिरता बनाए रखता है। श्तरुणश श्रेणी के तहत उद्यमियों के लिए मुद्रा ऋण को दोगुना करके 20 लाख रुपये करना एक काफी बड़ा प्रोत्साहन है, जो व्यवसायों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। कम टर्नओवर सीमा और विस्तारित पात्रता के साथ व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली में सुधार एमएसएमई के लिए तरलता और वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाता है। तीन वर्षों के भीतर सभी प्रमुख एमएसएमई समूहों में सिडबी शाखाओं का नियोजित विस्तार अधिक सुलभ वित्तीय सेवाओं का आश्वासन देती है, जिससे स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, 50 बहु–उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और 100 एनएबीएल–मान्यता प्राप्त खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार होगा और नए बाजार के अवसर खुलेंगे।

पीपीपी मोड में ई–वाणिज्य निर्यात केंद्र का निर्माण एक और दूरदर्शी पहल है, जो एमएसएमई और पारंपरिक कारीगरों को वैश्विक बाजारों तक अधिक आसानी से पहुंचने और डिजिटल बदलाव तथा अंतर्राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। ष्फर्स्ट टाइमर्सष योजना से, जो औपचारिक रोजगार क्षेत्रों में नए लोगों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के रूप में 15,000 रुपये तक एक महीने का वेतन प्रदान करती है, जो लगभग 210 लाख युवा कामगारों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, विनिर्माण क्षेत्र में नए कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए प्रोत्साहन, पहले चार वर्षों के दौरान नियोक्ता और कर्मचारियों दोनों के लिए ईपीएफओ योगदान को कवर करता है, जिससे 30 लाख व्यक्तियों को लाभ पहुंचता है। सरकार सुरक्षा उपायों को संस्थागत बना रही है और युवाओं को उनकी अपार क्षमता के साथ भारत की प्रगति के इंजन को चलाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके साथ ही, नियोक्ता के कल्याण का भी ध्यान रखा जा रहा है, इस योजना के तहत नियोक्ताओं को एक लाख रुपये प्रति माह तक कमाने वाले प्रत्येक अतिरिक्त कर्मी के लिए दो वर्ष के लिए 3,000 रुपये मासिक तक की प्रतिपूर्ति की जाती है, जिसका लक्ष्य 50 लाख नए कामगारों को रोजगार देना है। सरकार कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास और क्रेश स्थापित करने के लिए उद्योगों के साथ भागीदारी करके एक ठोस कदम उठा रही है, साथ ही विशेष कौशल विकास कार्यक्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) उद्यमों के लिए बाजार तक पहुंच उपलब्ध करा रही है। इसका आदर्श वाक्य है समावेशिता। समावेशी आर्थिक विकास की तलाश में, उद्योग और शिक्षाजगत के बीच सहयोग एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास में। इस महत्व को पहचानते हुए, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने एमएसएमई चौंपियंस योजना के तहत एमएसएमई नवप्रवर्तनकारी योजना को लागू किया है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों और एमएसएमई क्षेत्र के बीच औ र मजबूत संबंध बनाना है।दूसरी ओर, शैक्षणिक संस्थान ज्ञान और नवाचार के केंद्र हैं, लेकिन कभी–कभी उनमें व्यवहारिक अनुप्रयोग संदर्भों का अभाव पाया जाता है। एमएसएमई नवप्रर्तनकारी योजना इस अंतर को पाटती है और एक पारस्परिक संबंध बनाती है, जो दोनों क्षेत्रों को लाभ पहुंचाती है और इसकी वजह से हमारी अर्थव्यवस्था और व्यापक हो जाती है। इस योजना का दृष्टिकोण बहु–आयामी है।

इनक्यूबेशन घटक के तहत मेजबान संस्थानों के रूप में 697 शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी इस योजना के व्यापक रूप से अपनाए जाने और इसके संभावित प्रभाव का सबूत है। इस सहयोग का एक प्रमुख फोकस छात्रों और एमएसएमई कर्मियों के औद्योगिक कौशल को बढ़ाना है। यह कौशल विकास एक ऐसा कार्यबल बनाने के लिए महत्वपूर्ण है, जो न केवल शैक्षणिक रूप से योग्य हो, बल्कि उद्योग के लिए भी तैयार हो। छात्रों के लिए, यह वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों और अवसरों के लिए मूल्यवान संपर्क मुहैया कराता है। एमएसएमई के लिए, ये नए परिप्रेक्ष्य और नवीनतम शैक्षणिक शोध तक पहुंच प्रदान करता है, जो संभावित रूप से उनकी परिचालन चुनौतियों के लिए नवप्रवर्तनकारी समाधान की ओर ले जाता है। आज तक, हमने पिछले 10 वर्षों में 17 करोड़ नौकरियों की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी है। अगर हम इस बात को सही परिप्रेक्ष्य में रखें, तो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014–15 में 47.15 करोड़ की तुलना में, वर्ष 2023–24 में देश में रोजगार बढ़कर 64.33 करोड़ हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम एक ऐसे भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं, जहां विकास हर घर तक पहुंचे और हर व्यक्ति के जीवन को छुए तथा हमारी सामूहिक ऊर्जा को विश्वगुरु बनने के आदर्श की ओर ले जाए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम महान पुनर्जागरण के युग की ओर बढ़ रहे हैं, जो हमें विकसित भारत के स्वर्णिम युग में ले जाएगा।

टकराए तीन वाहन, डॉक्टर संग तीन मरे

अयोध्या(आरएनएस)। अयोध्या–लखनऊ फोरलेन पर शुक्रवार भोर आपस में तीन वाहनों के जबरदस्त टक्कर में 3 लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि 15 घायलों को एम्बुलेंस व पुलिस की आपसी मदद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली में भर्ती कराया गया है। जहां दो घायलों की हालत लगातार बिगड़ने पर जिला अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। हादसा शुक्रवार भोर उस समय हुआ जब ट्रक अपने गंतव्य के लिए मुड़ रहा था। घना कोहरा पड़ने से दृश्यता काफी प्रभावित थी। रुदौली पुलिस के मुताबिक मरने वाले सभी मेदांता अस्पताल लखनऊ के स्टॉफ थे जो कार्तिक पूर्णिमा पर अयोध्या दर्शन में जा रहे थे। जबकि ट्रैवलर सवार लोग कानपुर से बारात गोरखपुर जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक दुर्घटना रुदौली कोतवाली की पुलिस चौकी भेलसर अन्तर्गत फोरलेन स्थित कूड़ा सादात सेवान पर बने कट पर ट्रक मुड़ने के दौरान हुई। घना कोहरा होने से वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसी समय एक ट्रक कूड़ा सादात कट पर मुड़ने लगा। तभी पहुंची कार ट्रक में टकरा गई और पीछे से सवारियों को लेकर जा रही ट्रैवलर बस भी भीड़ गई। तीनों वाहनों की जोरदार टक्कर से 18 लोग घायल हो गए।

हाइवे पर तीनों वाहनों के टक्कर से हुए तेज धमाके के चलते स्थानीय लोगों का ध्यान उधर गया। हाइवे पर चीख

पुकार मच गई। स्थानीय लोग और राहगीर मदद में पहुंच गए। एम्बुलेंस और पुलिस को मोबाइल फोन से सूचना देते हुए राहत एवं बचाव में जुट गए। सूचना मिलते ही भेलसर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और डायल 112 तथा भेलसर चौकी पुलिस पहुंच गई। फिर एम्बुलेंस और लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच कर 02 युवतियों और एक घायल को मृत घोषित कर दिया है। दो लोगों की हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

हादसे में मृतकों में डॉक्टर मो. हुसैन (30)पुत्र अली रजा निवासी ग्राम सेमरी थाना रामपुर कारखाना जनपद देवरिया, मृतका 25 वर्षीय रचना पुत्री ध र्मवीर निवासी मीरुआ मढ़वा उमर्दा कन्नौज तथा 24 वर्षीय उपासना सिंह पुत्री राकेश सिंह निवासी भदुरिया लोहागढ़ कन्नौज है। वहीं गम्भीर घायलों में स्नेहा और नीतू को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य घायलों सुनील जायसवाल, संदीप जायसवाल, वंदना जायसवाल, आशीष जायसवाल, गौरी जायसवाल, श्रुति जायसवाल, गरिमा जायसवाल, रीना जायसवाल, तृप्ति जायसवाल, पूजा जायसवाल, रणधीर सिंह, मीना देवी, पीहू है। बताया जा रहा कि ये सभी ट्रैवलर पर थे।

अटेवा की हुई बैठक, संगठन का विस्तार

कौशाम्बी। जिला कार्यालय मंझनपुर में अटेवा की बैठक मंगलवार को आयोजित की गईस बैठक में जनपद कार्यकारिणी के सभी सदस्य एवं जनपद के सभी ब्लॉकों के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहेस बैठक में जिला संयोजक कुशल सिंह ने कई बिंदुओं पर विचार प्रकट किए, जिसमें कार्यकारिणी का विस्तार, नए पदाधिकारी साथियों का सम्मान व जनपद की सदस्यता की समीक्षा की गई सबैठक का संचालन जिला महामंत्री डॉ सतीश चंद्र शर्मा ने किया सबैठक में सिराथू तहसील प्रभारी योगेंद्र सिंह, अतुल प्रकाश प्रजापति ,जिला आईटी सेल प्रभारी राजेश कुशवाहा ,संयुक्त मंत्री अरुण कुमार सिंह का सम्मान किया गया स संगठन की जिम्मेदारी संबंधित अपने अपने विचार भी रखें। बैठक में जिला संरक्षक अटेवा मोती लाल सिंह मयंक सिंह को सह तहसील प्रभारी मंझनपुर ,जिला कोषाध्यक्ष धीरज सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, रमेश चंद्र सेन ,नयन सिंह, विनोद यादव, यतेंद्र सिंह, आशीष सिंह, इकबाल अली, बृज बिहारी, संजय यादव, अरविंद गौड़ , अजय सिंह आदि रहे।

खैर नहीं धर्म के खिलाफ साजिश करने वालों की

कौशाम्बी। विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में सोमवार को चायल तहसील क्षेत्र के सैयद सरावा में एक बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष अवधेश नारायण शुक्ला ने किया जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन के सह मंत्री वेद प्रकाश सत्यार्थी उपस्थित रहे बैठक का संचालन संगठन के संदीप शुक्ला ने किया।

इस मौके पर बोलते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा समय में जिले भर में सनातन धर्म के मानने वालों के खिलाफ एक सोची समझी रणनीति के तहत अभियान चलाया जा रहा है। जिले में लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाओं पर बढ़ोत्तरी देखी गई है जो यह प्रमाणित करता है कि यह खुद व खुद नहीं हो रहा है बल्कि इन सारी घटनाओं के पीछे एक संगठित अपराधी गिरोह काम कर रहा है। इस मौके पर बोलते हुए सह मंत्री वेद प्रकाश सत्यार्थी ने कहा कि यह जो घटनाएं संगठित लोगों के द्वारा कार्य की जा रही है उस पर संगठन की पहली निगाह बनी हुई है। हम सभी सनातन धर्म को मानने वाले एग्जिट होकर इन विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। सनातन विरोध में चल रही इन साजिशों को कामयाब नहीं होने देंगे और इन साजिश करता हूं कि अब खैर नहीं है। मौके पर मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने एक और में इन घटनाओं का विरोध करते हुए उनके खिलाफ अभियान चलाए जाने पर अपना समर्थन दर्ज कराया। बैठक संगठन के गांव चलो अभियान के तहत आयोजित किया गया। इस बैठक पर प्रमुख रूप से टीकम चौरसिया शिवम पांडे, सर्वेश पटेल, दीपक मौर्य, अंकित दिवाकर, कार्तिकेय, सुनील गब्बर, विवेक केसरवानी, सुरेश दिवाकर, राजेश मोदनवाल, सुनील साहू, सनी कुशवाहा, सिद्धू दुबे, अंकित गौतम, बबलू यादव, रूपनारायण मौर्य, जीत लाल पासी, राम चन्द्र पासी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

भारी मात्रा में नष्ट किया लहन

चित्रकूट(आरएनएस)। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के विरुद्ध जिला आबकारी विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को आबकारी टीम ने कर्वी कोतवाली अंतर्गत मंदाकिनी नदी के तटवर्ती इलाके में दबिश दी। इस दौरान कच्ची शराब बरामद कर भारी मात्रा में लहन नष्ट किया।जिला आबकारी अधिकारी अखिलेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में आबकारी निरीक्षक प्रफुल्ल कुमार सिंह ने अपनी टीम के साथ मंदाकिनी नदी के तटवर्ती पर स्थित टिकुरा गांव में दबिश दी। जहां पर कुल 45 लीटर कच्ची शराब बरामद की। इस दौरान बारह कुंटल लहन और अवैध शराब बनाने के उपकरण भी नष्ट किए गए। साथ ही आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा में मामले दर्ज किए गए है। उन्होंने बताया कि जिला आबकारी विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधान आबकारी सिपाही धर्मेंद्र कुमार, आबकारी सिपाही शिव सागर, लालचंद्र, सागर, दीपक, दुष्यंत, महिला सिपाही रंजना सिंह, सुमित्रा, शोभा आदि मौजूद रहे।

ढेमवा पुल के गड्ढे में गिरी कार

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस) रौनाही थाना अंतर्गत बाढ़ और काटन की चपेट में आए ढेमवा पुल के उत्तरी छोर पर बने गड्ढे में शुक्रवार की रात में एक कार चालक तेज रफ्तार का शिकार हो गया और अपनी अल्टो कार यू पी 51 ए पी 7914 को लेकर पुल के गड्ढे में जा गिरा। आसपास से दौड़े लोगों ने कार में फंसे चालक को वाहन से बाहर निकाला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने इसे इलाज के लिए सी एच सी भेजा है। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह ने बताया कि चालक की पहचान बद्री पाण्डेय उम्र 40 वर्ष पुत्र रघुबीर निवासी जमथा गोंडा के रूप में हुई है। जिसका इलाज अभी चल रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में बनेगा विश्व का सर्वाधिक ऊंचा राम मंदिर

अयोध्या।(आरएनएस) ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में विश्व का सर्वाधिक ऊंचा राम मंदिर बनेगा। ऑस्ट्रेलिया की संस्था इंटरनेशनल श्रीराम वैदिक एंड कल्चरल यूनियन द्वारा मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। अयोध्या राम मंदिर की डिजाइन बनाने वाले आर्किटेक्ट द्वारा इसका डिजाइन बनाया गया है। पीएम मोदी द्वारा भूमि पूजन करवाने की योजना संस्था के द्वारा बनाई गई है। पर्थ के राम मंदिर के कोषाध्यक्ष अमोल कटिहार ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में विश्व का सबसे ऊंचा राम मंदिर बनाया जाएगा। 150 एकड़ भूमि पर 721 फीट ऊंचे मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। मंदिर पांच मंजिला होगा। अयोध्या राम मंदिर को डिजाइन करने वाले आर्किटेक्ट सीबी सोमपुरा व आशीष सोमपुरा। सीबी सोमपुरा और आशीष सोमपुरा द्वारा मंदिर का डिजाइन बनाया गया है।

महिला हेल्पडेस्क करें स्थापित–मंत्री

सोनभद्र(आरएनएस)। प्रदेश सरकार के स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग जनपद के प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पुलिस विभाग के राजपत्रित अधिकारियों के साथ जिले की कानून व्यवस्था एवं पर्यटन वन, उद्योग विभाग एवं उद्यमियों के साथ बैठक की, कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्रीयोगी आदित्य नाथ के अथक प्रयास से कानून व्यवस्था में व्यापक स्तर पर सुधार हुआ है और प्रदेश में कानून का राज कायम है, लाईन आर्डर की व्यवस्था बेहतर होने के कारण आज प्रदेश में भारी संख्या में इन्वेस्टर आ रहे हैं और अपने उद्योग स्थापित कर रहे हैं, जनपद सोनभद्र में भी काफी संख्या में इन्वेस्टर के माध्यम से उद्योग स्थापित होंगें और जनपदक के निवासियों को रोजगार के साधन उपलब्ध होंगें, प्रदेश में अब भारी संख्या में लोग जमीन, मकान, दुकान आदि की रजिस्ट्री भी करा रहे हैं, वर्ष–2017 में 13 से 14 लाख करोड़ की रजिस्ट्री होती थी, जो आंकड़ा बढ़कर अब 30 से 32 लाख करोड़ रूपये पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि थानों में फरियादियों की समस्याओं को सुनने हेतु महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की जाये, यदि कोई भी पीड़ित व्यक्ति थाने पर अपनी समस्या लेकर आता है, तो उसके साथ सम्मान जनक व्यवहार किया जाये और उन्हें समय से न्याय मिले, कानून का दुरुपयोग किसी प्रकार से न होने पाये, जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन आपस में समन्वय स्थापित कर अवैध परिवहन व खनन पर प्रतिबन्ध लगाये, मरीजों को ईलाज हेतु ले जा रहे वाहनो को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये, इसका भी विशेष ध्यान दिया जाये, गोकशी पर प्रतिबन्ध लगाया जाये, गौ सेवा को बढ़ावा दिया जाये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने कहा कि मंत्री द्वारा जो भी दिशा–निर्देश दिये गये हैं, उसका अक्षरशः अनुपालन अधिकारीगण करना सुनिश्चित करेंगें इसके पश्चात प्रभारी मंत्री ने जनपद में इन्वेस्ट करने वाले इन्वेस्टर्स से सीधा संवाद कर जानकारी ली कि उन्हें जनपद में उद्योग स्थापित करने में कोई समस्या तो नहीं आ रही है, इन्वेस्टर द्वारा बताया गया कि जनपद में उद्योग की स्थापना में किसी प्रकार की समस्या नहीं आ रही है, उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन विभाग, खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार हेतु दिये जाने वाली ऋण व सब्सिडी की सुविधा के सम्बन्ध में जानकारी दें और उन्हें उद्योग धंधे स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित भी करें और उन्हें परम्परागत व्यापार से हटकर भी नये तरीके से उद्योग स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करें।

सूचना देने के साथ समस्या भी सुलझाएंः वीरेन्द्र

सुल्तानपुर (आरएनएस)। राज्य सूचना आयुक्त वीरेंद्र सिंह वत्स ने आज सुल्तानपुर जिले के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जल निगम, नमामि गंगे, पर्यटन, लघु सिंचाई और मत्स्य विभाग के आरटीआई से जुड़े मामलों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपीलकर्ताओं को निर्धारित समय में सूचना देने के साथ–साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करें।

राज्य सूचना आयुक्त ने जल निगम के अधिकारियों से कहा कि गाँवों में पानी कि टंकियां बंद पड़ी होने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौके पर जाकर सच्चाई देखें और बंद पड़ी टंकियों को एक माह में चालू कराएं। उन्होंने कहा कि एक आम नागरिक जनसूचना अधिकार कानून के तहत शासन–प्रशासन से वे सारे प्रश्न पूछ सकता है, जो सदन में सांसद और विधायक पूछ सकते हैं। यदि अधिकारी समय से सूचना नहीं देते तो लगता है कि दाल में कुछ काला है। उन्होंने बैठक में मौजूद विभिन्न अधिकारियों से उनके रिपोर्ट कार्ड की जानकारी ली व इसमें मिली खामियों को सुधार करने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग की ओर से बिजेथुआ महावीरन में कराये जा रहे विकास कार्यों पर चर्चा की। साथ ही साथ लम्भुआ के बाबा जनवारी नाथ धाम पर पर्यटन विभाग का पक्ष जाना। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को देखते हुए सुल्तानपुर महोत्सव मनाया जाना चाहिए. इस सिलसिले में उन्होंने सुल्तानपुर की जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना और पर्यटन अधिकारी धीरेन्द्र यादव से बात की। अधिकारियों ने इस दिशा में पहल करने का भरोसा दिया। समीक्षा बैठक में उपजिलाधिकारी ठाकुर प्रसाद, आधिशाषी अभियन्ता जलजीवन मिशन वकार हुसैन, जिला सूचना अधिकारी, पर्यटन सूचना अधिकारी डॉ. धीरेन्द्र कुमार, सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई मंगल यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण रमाकान्त उपस्थित रहे।

20 क्वार्टर देशी शराब बरामद

चित्रकूट। रैपुरा थाना के एसआई रामप्रीत सिंह ने टीम के साथ राजू सिंह पुत्र राम सिंह निवासी बगरेही को 20 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

शिकायतों का समाधान पारदर्शी तरीके से करें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली नगर में पहुँचकर दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देश दिये। थाना समाधान दिवस में कुल 09 शिकायतें राजस्व विभाग की प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने 05 राजस्व शिकायतों के निस्तारण हेतु तत्काल राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके बनाकर भेजने के निर्देश दिये और कहा कि राजस्व सम्बन्धित प्रकरणों का बिना किसी पक्षपात के सम्बन्धित शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करायें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाई की जायेगी। अन्य प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में भी निर्देशित किया कि जल्द से जल्द शिकायतों का निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने लेखपालों व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे किये गये है उसे खाली कराया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जो फरियादी भी अपनी समस्या लेकर आये उनकी शिकायतों को गम्भीरता से सुनें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरती जाये। जिलाधिकारी ने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का शत प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण किया जाये, किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाये और उसका समयबद्ध

एवं पारदर्शी तरीके से समाधान किया जाये। इस दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली नगर में विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन कर जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने कहा कि पुलिस थाने में आये हुये फरियादियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें, उनकी शिकायतों को साक्ष्यपूर्वक सुने तथा जल्द से जल्द उनकी शिकायतों का निस्तारण करायें। इस अवसर पर तहसीलदार सुप्रिया चतुर्वेदी सहित सम्बन्धित अधिकारी व राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कैम्प का होगा आयोजन– प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का संक्षिप्त पुनरीक्षण–2025 नये मतदाताओं का पंजीकरण अधिक से अधिक संख्या में मतदाता सूची में करने के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु इस पुनरीक्षण में युवा मतदाताओं के नाम सम्मिलित कराने पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाना है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे तहसील सदर में मतदाता पंजीकरण कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

संक्षेप

कोरों में कराई क्राफ्ट कटिंग

सिराथू, कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को सिराथू तहसील क्षेत्र के कोरों गांव पहुंचकर फसल कटवाकर उत्पादन का आकलन किया। इस दौरान सीडीओ ने किसानों से कहा कि तकनीकी माध्यमों को अपनाकर पैदावार बढ़ाई जा सकती है।सीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव कोरों गांव के चयनित किसान संत लाल पाल के खेत में पहुंचे। उन्होंने प्रभारी राजस्व निरीक्षक प्रदीप सिंह , सोहन लाल , लेखपाल , सांख्यिकी कार्मिक मनोज मिश्र व किसानों की उपस्थिति में क्राप कटिंग कराया। क्राप कटिंग में कृषक संत लाल पाल के खेत में अच्छी पैदावार पर सीडीओ ने खुशी जाहिर करते हुए किसानों को अत्याधुनिक तकनीकी खेती अपनाकर उपज बढ़ाने की बात कही। इस मौके पर गांव के तमाम अन्य किसान भी मौजूद रहे।

शक्तिपीठ कड़ाधाम में सम्मान समारोह

कड़ा, कौशाम्बी। शक्तिपीठ कड़ाधाम में मंगलवार को मंदिर प्रबन्ध समिति द्वारा वरिष्ठ जनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का संचालन राममिलन पंडा ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत मां शीतला की पूजा आराधना के साथ हुई मंदिर प्रबन्ध समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आत्मप्रकाश उर्फ टिंकू पंडा की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में पंडा समाज के वरिष्ठजनों व संभ्रांत व्यक्तियों को अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत सम्मान किया गया।इस दौरान उपस्थित लोगों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें बधाई दी।इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के महामंत्री जुगेश पंडा, कोषाध्यक्ष रजत पंडा, उपाध्यक्ष अमित कुमार, उपमंत्री आदित्य पंडा, निरीक्षक संदीप पंडा , सदस्यगण अनिकेत, जैनेन्द्र, मुन्ना, रोहित, विकास, राजन, मंजीत, अभिलाष, अंकित सहित मदनलाल किंकर, सप्तमी प्रसाद पंडा, गोपाल पंडा, चेतन पंडा, रामभोले पंडा, अर्जुन पंडा, रामशरण पुजारी, बबलू लहरी, विवेक मालिया, शनि पंडा, ऊदल पंडा, पिंटू पंडा आदि लोग उपस्थित रहे।

जनपद में किया शुभारम्भ

कौशाम्बी। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान के अन्तर्गत आज जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कर जनपद कौशाम्बी में शुभारम्भ किया। कड़ा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप कुमार पटेल के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान के अंतर्गत जिलाध्यक्ष द्वारा सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण किया।साथ ही जिलाध्यक्ष जी ने सभी पार्टी के सदस्यों से व कार्यकर्ताओं से अपील किया की। आप भी सक्रिय सदस्य बनें और लोगों को प्रेरित कर इस अभियान में सहभागी बनें और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को साकार करें। और दूसरो को भी इस अभियान से जोड़े ताकि हम सभी मिलकर राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे सकें। व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद के सपनों को पूर्ण करें।

खाद्य कारोबारियों को किया जागरुक

चित्रकूट(आरएनएस)। भरतकूप कस्बा स्थित एक गेस्ट हाउस में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने आमजन को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य जन जागरूता अनुश्रुति, पंजीकरण कैम्प का आयोजन किया। जहा पर लगभग 40 खाद्य कारोबारकर्ता उपस्थित रहे। कैम्प में लाइसेन्स, पंजीकरण की अनिवार्यता एव खाद्य नमूना की महत्ता बताते हुए नमूना प्रकिया सहित प्रतिष्ठान के अन्दर व बाहर स्वच्छता बनाये रखने, एक्सपायर्ड एव डैमेज्ड खाद्य पदार्थ को अलग स्थान पर चिन्हांकित करने, खरीद विक्रय का रिकार्ड खाद्य प्रतिष्ठान पर अद्यतन रखने की जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान बिना खाद्य लाईसेन्स, पंजीकरण के संचालित पाये जाने पर दुकानों के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इस मौके पर सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय प्रियंका सिंह, पकज कुमार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार, प्रमोद कुमार सोनकर आदि मौजूद रहे।

जल संचय के तहत किया जागरूक

चित्रकूट(आरएनएस)। नीति आयोग और जल जीवन मिशन के सहयोग से शुक्रवार को रामनगर ब्लॉक में जल संचय दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। यह अभियान आगामी 20 नवम्बर तक चलेगा।जल संचय दिवस के आयोजन कार्यक्रम में रामनगर ब्लॉक में वर्षा जल संचयन संरचनाओं की मरम्मत और सुधार का कार्य किया गया। जिसके तहत सभी संबंधित विभागों ने खराब बोरवेल्स को सुधारकर उन्हें क्रियाशील किया और गंदे पानी को शुद्ध करने वाले संयंत्रों की आंशिक सफाई भी की। खण्ड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा, सहायक अभियंता शोभित गुप्ता और एबीएम धर्मेन्द्र ने क्षेत्र का भ्रमण कर जल उत्सव के तहत किए जा रहे कार्यों में प्रतिभाग किया। साथ ही ग्राम पंचायत खजुरीहा कला स्थित विद्यालय में बच्चों के साथ वर्षा जल संचयन, जल प्रबंधन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल उत्सव दृष्टिकोण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी एन. पी. सिंह के नेतृत्व में सभी विद्यालयों में हैंडवॉश और जल संरक्षण पर विशेष कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में एलएंडटी टीम द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता

अयोध्या(आरएनएस)। जिला रायफल क्लब में तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता में पूरे भारत से आए हुए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया आज कुल मिला कर 200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया आयोजक शनि कुमार वर्मा ने बताया प्रतियोगिता को सुचारू रूप से से करने के लिए जैनुल खान बृजेश अशरफ सपना मेहविश श्रेया प्रखर सुरजन सिंह ने अपनी अहम भूमिका निभाई

जिला युवा उत्सव कार्यक्रम

प्रतापगढ़। उप निदेशक समर बहादुर सिंह ने बताया है कि नेहरू युवा केन्द्र एवं युवा कल्याण/प्रा0वि0द0 विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 9 बजे से श्री हरि पैलेश सगरा में एक दिवसीय जिला युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिला युवा उत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं क्रमशः विज्ञान मेला (एकल), विज्ञान मेला (समूह), युवा काव्य/कहानी लेखन, युवा पोस्टर, मोबाइल फोटोग्राफी, भाषण, जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के विजेता प्रतियोगियों के बैंक खाते में पुरस्कार की राशि पीएफएमएस द्वारा आनलाईन भुगतान किया जायेगा। प्रत्येक प्रतिभागी की आयु 15–29 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। प्रतियोगी जनपद का मूल निवासी हो जिसके लिये उसे प्रतियोगिता में सम्मिलित होने से पूर्व आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

प्लास्टिक के खिलाफ चलाएं अभियान, करें जुर्मानाः सीडीओ

चित्रकूट(आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

सीडीओ ने जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान चलाकर प्लास्टिक के खिलाफ कार्यवाही कराएं और जुर्माना भी कराया जाए। प्रचार प्रसार भी कराकर जानकारी दें। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका से कहा कि रामघाट से लेकर कर्वी तक जो मंदाकिनी नदी में नाला गिर रहे हैं उसके टैपिंग के लिए जल निगम से संपर्क कर व्यवस्था करें। जिस पर अधिशासी अधिकारी ने बताया कि अमृत नगरीय योजना के अंतर्गत प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि जो पौधारोपण कराया गया है उसकी शत प्रतिशत जियो टैगिंग कराना सुनिश्चित करें, क्योंकि इसकी शासन व मंडलीय समीक्षा होती है। अगली बैठक तक प्रत्येक दशा में हो जाए। टी गार्डन जो लगाए गए हैं उसकी भी सूचना उपलब्ध कराए। पौधारोपण का सत्यापन भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धार्मिक नगरी है। जिन अधिकारियों को मठ मंदिरों पर प्लास्टिक प्रयोग न करने की जिम्मेदारी दी गई है वह सभी संबंधित अधिकारी कार्य करें। वहां पर क्या कार्य किया गया है उसके फोटोग्राफ्स भी अगली बैठक में प्रस्तुत करें। अधिशासी अभियंता सिंचाई व लघु सिंचाई से कहा कि जो डैम व चेकडैम बने हैं उनकी सिल्ट सफाई कराई जाए। मंदाकिनी नदी का सीमांकन भी कराया जाए।

उपनिदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व नरेंद्र कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों से कहा कि अगली वित्तीय वर्ष के पौधारोपण का लक्ष्य भी प्राप्त हो गया है। उसकी भी कार्य योजना बनाकर उपलब्ध कराए। इसके अलावा शासन द्वारा मियावाकी योजना भी संचालित की गई है। जिसमें खास कर शहरी क्षेत्रों पर लागू किया गया है जो यह योजना चार वर्षों के लिए लागू की गई है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जो शासन द्वारा मियावाकी योजना पौधारोपण की शुरू की गई है उसका पूरा विवरण सभी विभागों को उपलब्ध कराए। क्षेत्र के लिए किस प्रजाति का पौधा सर्वाइवल रहेगा उन पौधे के बारे में भी बताया जाए। बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चन्द्र, उप निदेशक कृषि राजकुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय, जिला खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का किया आयोजन

कुशीनगर। शनिवार को जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा की उपस्थिति में तहसील पडरौना सदर के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सभागार में आए हुए जनता, फरियादियों की समस्याओं व शिकायतों को बारी –बारी से गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निस्तारण किया गया तथा अवशेष प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को त्वरित, समय बद्ध , गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सुपुर्द कर दिए गए। डीएम ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस पर आए हुए शिकायतों को सदैव प्राथमिकता पर रखते हुए हर पीड़ित की समस्या का निष्पक्ष निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का निस्तारण आज नहीं हो सका है। उनका समय के अंतर्गत शासन की मंशानुसार निर्धारित अवधि के भीतर सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ गुणवत्ता पूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण हो जाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक संतोष

➤ सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ करे प्रार्थना पत्रों का करें निष्पक्ष निस्तारण रू– डीएम।

कुमार मिश्रा ने पुलिस विभाग से जुड़े मामलों की सुनवाई की व पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं थानाध्यक्षो को प्राप्त सभी सम्बन्धी को गम्भीरता से निस्तारण राजस्व विभाग की सहायता से टीम बनाकर प्राथमिकता एवं गुणवत्ता के साथ शत प्रतिशत सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया। राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकर्मचारियों को शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत–प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।आज आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 64 शिकायतें प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से राजस्व विभाग के 38 में से 15 को तत्काल निस्तारित किया गया। पुलिस विभाग से संबंधित 08 तथा अन्य विभाग के 07 प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 64 में से 15 प्रार्थना पत्र का निस्तारण तत्काल एवं अवशेष 49 प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग को समयांतर्गत निस्तारण के निर्देश के साथ सौंपा गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी सदर व्यास नारायण उमराव, सीओ सदर अभिषेक प्रताप, डीपीओ विनय कुमार, बीएसए राम जियावन मौर्य, डीएसओ जी एस शुक्ला, डीआईओएस रविंद्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक प्रियदर्शी, तहसीलदार पूर्णिमा सिंह, खंड विकास अधिकारी, ईओ संत राम सरोज एवं थानाध्यक्ष, पूर्ति निरीक्षक, कानूनगो व लेखपाल उपस्थित रहे।

प्रदेश में 978 केंद्र, एक दिन में कैसे होगी आरआ/एआरओ परीक्षा, छात्रों को आयोग के निर्णय का इंतजार

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में एक दिन की पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा कराने के लिए अधिकतम 978 केंद्र ही मिल सके। समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 के लिए इससे ढाई गुना अधिक केंद्रों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में सवाल है कि आयोग एक दिन में यह परीक्षा कैसे करा सकेगा। आयोग को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के 576154 अभ्यर्थियों के लिए प्रदेश में 1748 केंद्रों की जरूरत थी। लेकिन, केंद्र निर्धारण सख्त नीति के कारण आयोग को सभी 75 जिलों में केवल 978 केंद्र ही मिले सके। आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में इससे ढाई गुना अधिक केंद्रों की जरूरत पड़ेगी। 11 फरवरी को आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 2387 केंद्रों में आयोजित की गई थी, जो पेपर लीक के कारण निरस्त कर दी गई थी। 75 जिलों में मिल सकेंगे 978 केंद्र अब इसी परीक्षा को लेकर पेच फंसा है। यदि आयोग जून–2024 को जारी शासनादेश में उल्लिखित नियमों के तहत केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पूरी करता है तो आयोग को प्रदेश के सभी 75 जिलों में 978 केंद्र ही मिल सकेंगे। इनमें अधिकतम 435074 अभ्यर्थियों की परीक्षा कराई जा सकती है। जबकि, आरओध्एआरओ परीक्षा के लिए 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। ऐसे में केंद्र निर्धारण के नियमों में संशोधन के बिना आरओध्एआरओ परीक्ष एक दिन में करा पाना मुश्किल होगा। आयोग ने एक समिति का भी गठन किया है, जो इस समस्या के निदान के लिए रास्ते तलाशेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही आयोग तय करेगा कि आरओध्एआरओ परीक्षा कैसे करानी है। अभ्यर्थियों को अब आयोग के निर्णय का इंतजार है।

राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होगा 180 किलो सोने का श्रीयंत्र, अयोध्या के लिए रवाना हुई रथयात्रा

प्रयागराज। रामलला के गर्भगृह में 180 किलो सोने का प्रभु राम श्रीयंत्र स्थापित होगा। कांची मठ के धर्म प्रचारक रामचंद्रन के नेतृत्व में सोने के इस श्रीयंत्र की रथयात्रा लेकर वैदिक आचार्यों का दल रविवार को प्रयागराज पहुंचा। सोमवार को रथयात्रा अयोध्या स्थित कार सेवकपुरम पहुंचेगी। वहां देशभर के वैदिक आचार्यों की मौजूदगी में महायज्ञ के बाद इस राम श्रीयंत्र को रामलला के गर्भगृह में विराजमान कराया जाएगा। अयोध्या में प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव से एक दिन पहले 21 जनवरी को राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के आग्रह पर कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी शंकर विजयेंद्र सरस्वती ने रामलला की बाल स्वरूप प्रतिमा में राम बीजमंत्र के प्राण अभिसिंचित किया था। शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र ने उसी दिन गर्भगृह में सोने का राम श्रीयंत्र स्थापित करने का संकल्प लिया था। स्वर्ण पत्तरों से मंडित श्रीयंत्र तैयार होने के बाद 17 अक्तूबर को कांची मठ से भव्य रथ पर अयोध्या के लिए यात्रा निकाली गई। मठ के यूपी के धर्म प्रचारक रामचंद्रन के नेतृत्व में निकाली गई राम श्रीयंत्र यात्रा को शंकराचार्य ने खुद आरती उतार कर रवाना किया था। रविवार को रथयात्रा संगम तट स्थित शंकर विमान मंडपम पहुंची। वहां रथ की आरती उतारने के बाद राम श्रीयंत्र की सविधि मंत्रोच्चार के साथ पूजा की गई। सुबह आठ बजे रथयात्रा अयोध्या के लिए रवाना हुई। रथयात्रा के संचालक रामचंद्रन बताते हैं कि इस राम श्रीयंत्र की रामलला के गर्भगृह में स्थापना के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। राम श्रीयंत्र को कार सेवकपुरम में रखकर 40 दिन तक मंत्रों से अभिसिंचित करने के लिए महायज्ञ किया जाएगा। इसमें काशी, अयोध्या, मथुरा और प्रयागराज समेत अन्य जिलों से 1001 वैदिक आचार्य आमंत्रित किए गए हैं। गोल्डन कोटिंग करने वाले विशेषज्ञों की मदद से कांची मठ की ओर से विशेष ऑर्डर पर इस श्रीराम यंत्र का निर्माण कराया गया है। विश्व में शांति और लोक मंगल की कामना से इसे कांची मठ के शंकराचार्य की ओर से रामलला के गर्भगृह में स्थापित कराया जाएगा।

प्रतिबंध के बावजूद किसानों ने जलाई कई बीघा पराली, जिम्मेदार अधिकारी मौन

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के गोपालापुर गांव में किसानों ने कई बीघा खेत में रखें (पुवाल) पराली जला दिया। जिससे पूरे गांव में धुआ ही धुआ दिखाई देने लगा। सरकार द्वारा पराली जलाने पर रोक के बावजूद भी किसान अपने खेतों में पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। वही बहरिया थाना क्षेत्र के गोपालापुर गांव में सोमवार के दिन लगभग 2 बजे किसानों ने अपने खेतों में पराली जलाकर पर्यावरण को दूषित कर दिया ।जिससे तमाम तरह की बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है। वही सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है कि जिम्मेदार अधिकारियों को पराली गौशाला में गोवंश के लिए उपलब्ध कराया जाए। फिर भी जिम्मेदार अधिकारी मौन बैठे हुए हैं। वहीं एसडीएम फूलपुर दिग्विजय सिंह ने बताया कि तत्काल टीम भेज कर जांच करवाई जाएगी। जांच में सही पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

तैयारियां पूरी, कल होगी इंदिरा मैराथन, अब तक 120 धावकों ने कराया पंजीकरण

प्रयागराज। 39वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन मंगलवार को होगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रदेश के अलावा कई राज्यों के धावक शहर पहुंच रहे हैं। वहीं, धावकों को सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक चिप दिया गया। क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से मैराथन की तैयारियां अंतिम चरण में है। मंगलवार को आनंद भवन से मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाएंगे। धावक आनंद भवन से दौड़ शुरु करके स्वराज भवन, इविवि, आयुक्त आवास, एनसीसी हेड क्वार्टर, महर्षि पतंजलि, म्योहाल चौराहा, धोबी घाट चौराहा, डीआईजी ऑफिस चौराहा, एजी ऑफिस चौराहा, पोलो ग्राउंड चौराहा, इलाहाबाद हाईकोर्ट, हनुमान मंदिर चौराहा, मेडिकल चौराहा, सीएमपी, डॉट पुल, बैरहना, नया पुल, डांडी, चाका ब्लॉक होते हुए दांदूपुर भारत पेट्रोल पंप तक जाएंगे। इसके बाद इसी मार्ग से वापस आते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में बनाए गए फिनिशिंग लाइन पर दौड़ को समाप्त करेंगे। क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने रविवार को मार्गों का निरीक्षण कर अपनी तैयारियों को परखा है। अब तक 120 धावकों ने कराया पंजीकरण मैराथन में हिस्सा लेने के लिए अब तक 120 धावकों ने अपना पंजीकरण कराया है। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रेम कुमार के अनुसार, मैराथन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतिम समय तक पंजीकरण का काम चलता रहेगा। धावक सोमवार रात तक पंजीकरण करा सकते हैं। एंबुलेंस और इंडीकेटर बोर्ड की व्यवस्था धावकों की सुरक्षा के लिए चिकित्सकों की टीम मैराथन मार्ग पर मौजूद रहेगी, साथ ही आपातकालीन स्थिति के लिए छह एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। अनहोनी होने पर एंबुलेंस से धावक को अस्पताल पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा धावकों को रूट के सही मार्गदर्शन व शेष दौड़ की जानकारी देने के लिए प्रत्येक किमी पर इंडीकेटर बोर्ड मौजूद रहेंगे। धावको को दी गई इलेक्ट्रॉनिक चिप मैराथन में हिस्सा लेने वाले धावकों को सोमवार को मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में इलेक्ट्रॉनिक चिप दिया गया। बिना इलेक्ट्रॉनिक चिप के कोई भी धावक दौड़ में हिस्सा नहीं ले सकेगा। मैराथन मार्ग पर क्षेत्रीय खेल कार्यालय ने धावकों के लिए 16 बूथों पर जलपान की भी व्यवस्था की है। मैराथन में कौन–सा धावक आगे चल रहा है और पिछले विजेता खिलाड़ियों की क्या स्थिति है, इसकी जानकारी स्टेडियम में खेल प्रेमियों को माइक के माध्यम से बताई जाएगी। दौड़ने वाले हर धावक पर खेल विभाग की नजर रहेगी। इसके लिए हर धावक को इलेक्ट्रॉनिक चिप दी जाएगी। धावक की दौड़ पूरी होने पर इलेक्ट्रॉनिक चिप के सहारे उनकी दूरी और हर चेक पोस्ट पर अंकित उनके विब नंबर से मिलान किया जाएगा। ऐसे में कोई भी धावक बीच रास्ते से वापस नहीं आ सकेगा। समापन समारोह में शामिल होंगे खेल निदेशक उत्तर प्रदेश के खेल निदेशक आरपी सिंह इंदिरा मैराथन के समापन समारोह में शामिल होंगे और विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे।

मदन मोहन मालवीय के पौत्र न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय का निधन, प्रयागराज में ली अंतिम सांस

प्रयागराज। महामना मदन मोहन मालवीय के पौत्र और इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जस्टिस गिरधर मालवीय नहीं रहे। सोमवार सुबह प्रयागराज के जॉर्जटाउन स्थित एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। जस्टिर गिरधर मालवीय का आवास भी जॉर्जटाउन में ही है। बीएचयू, वाराणसी के चांसलर रहे गिरधर मालवीय लोकसभा चुनाव–2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव भी थे। वह 14 मार्च 1988 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बने। नवंबर 2018 में वह बीएचयू, वाराणसी के चांसलर बने और गंगा महासभा के अध्यक्ष भी रहे। प्रयागराज स्थित सेवा समिति इंटर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष पद का दायित्व भी उनके पास था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। अंतिम बार पिछले वर्ष बीएचयू में हुए दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे। इसके बाद वह स्वास्थ्य कारणों से किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उनके पुत्र पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी व पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के सलाहकार मनोज मालवीय अपने

पिता के निधन के वक्त मौजूद थे। दो बेटियां शहर से बाहर हैं। जस्टिस मालवीय के निधन की खबर सुनकर उनके आवास पर करीबियों की भीड़ इकट्ठा है। जस्टिस गिरधर मालवीय के करीबियों में शामिल बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी का कहना है कि जस्टिस मालवीय हमेशा मदन मोहन मालवीय के विचारों और सिद्धांतों पर चलने वाले व्यक्ति रहे। उनका जाना हम सभी के लिए अपूर्णनीय क्षति है। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि जस्टिस मालवीय का अंतिम संस्कार 19 नवंबर को रसूलाबाद घाट पर होगा। गिरधर मालवीय का जन्म 14 नवंबर 1936 को वाराणसी में हुआ था। चार दिन पहले ही उनका जन्मदिन था। वह महामना मदन मोहन मालवीय के पौत्र गोविंद मालवीय के इकलौते पुत्र थे। उनकी शुरुआती शिक्षा वाराणसी के बेसेंट थियोसोफिकल स्कूल में हुई। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में चिल्ड्रन्स स्कूल से कक्षा 10 की पढाई की। 1957 में गिरधर ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक साथ विधि स्नातक और एमए राजनीतिशास्त्र में प्रवेश लिया। 1960 में वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस शुरू किया। शुरुआती दौर में पिता के अस्वस्थ रहने के कारण गिरधर ने एक वर्ष दिल्ली में सरदार ज्ञानसिंह वोहरा के साथ तीस हजारी कोर्ट में और 1961 में पिता के निधन के बाद प्रयागराज आकर 1965 तक इलाहाबाद जिला कचहरी में पंडित विश्वनाथ पांडेय और सत्यनारायण मिश्र के साथ रहकर वकालत शुरू की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस सुरेंद्र सिंह का कहना है कि जिस वक्त गिरधर मालवीय जी डिप्टी गवर्मेंट एडवोकेट थे तब वह ब्रीफ होल्डर हुआ करते थे। अलग–अलग तरह के कामों में उन्होंने बहुत मदद की। अच्छे से समझाया, बताया। जब मालवीयजी जज एलीवेट हो गए तो उन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से भूमिका निभाई। बेहतरीन तरीके से काम किया। सेवानिवृत होने के बाद वह रिटायर्ड जज एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे। मुझे भी सचिव बनाया। आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके काम उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। जस्टिस गिरधर मालवीय को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके घर पर लोगों का तांता लगा हुआ है। महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में वकीलों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम, जिलाधिकारी और कमिश्नर ने भी पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जस्टिस गिरधर मालवीय के निधन पर संवेदना प्रकट की है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। केशव ने लिखा– 92 वर्ष की आयु में गिरिधर मालवीय जी ने अंतिम सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। गिरिधर मालवीय जी भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के पुत्र थे। वे समाज सेवा, शिक्षा और राष्ट्रभक्ति के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। न्यायमूर्ति के रूप में उन्होंने न्याय के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। मालवीय जी 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रस्तावक भी रहे। उनका पूरा जीवन विद्वता, राष्ट्रसेवा और समाज कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके निधन से देश ने एक ऐसा महान राष्ट्रभक्त और समाजसेवी खो दिया है, जो शिक्षा और सेवा के मूल्यों का प्रतीक थे। उनकी पुण्य आत्मा को शत–शत नमन और श्रद्धांजलि।

नाइजीरियन गिरोह से जुड़ रहा दो करोड़ की ठगी का मामला, मंत्री नंदी के बेटे की फोटो लगाई थी जालसाजों ने

प्रयागराज। व्हाट्सएप पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे की तस्वीर लगाकर 2.08 करोड़ रुपये ठगी के मामले में आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। साइबर पुलिस की जांच में मामला अब नाइजीरियन गिरोह से जुड़ रहा है। पुलिस को शक है कि ठगी में नाइजीरियाई गिरोह का हाथ हो सकता है। पुलिस अब सभी पहलुओं को खंगालने में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, साइबर सेल थाना से रवाना टीम बरेली के आईसीआईसीआई, कोलकाता के एक्सिस और सिलीगुड़ी के यूको बैंक से ठगों के खातों की जानकारी इकट्ठा कर ली है। अब इन खातों के माध्यम से पुलिस नाम और पते का सत्यापन कर रही है। साथ ही दस्तावेज में बैंक में दी गई फोटो को भी साइबर पुलिस हासिल कर चुकी है। इसी के आधार पर टीम ने तेजी से जांच शुरू कर दी है, हालांकि पुलिस नाइजीरियन गिरोह को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। नाइजीरियन गिरोह को किराये और कमीशन पर बैंक खाते मुहैया कराने वाले कई गिरोह का अन्य शहरों में पर्दाफाश हो चुका है। ऐसे में अगर इस केस में नाइजीरियन गिरोह सामने आता है तो पूरी संभावना है कि खाते किरासे या कमीशन पर दिया गया है। इनके एजेंट कुछ ऐसे लोगों की तलाश करते हैं, जो अपने बैंक खातों को पांच से दस हजार रुपये देकर खाता खरीद लेते हैं या फिर रकम जमा होने पर पांच से 10 फीसदी पैसा देते हैं। सूत्रों के अनुसार, जालसाजों ने ठगी की ज्यादातर रकम को अलग–अलग बैंक खातों के माध्यम से निकाल लिया है। साथ ही कुछ पैसों से क्रिप्टो करेंसी भी खरीदी गई है। जांच में अब तक ठगी की रकम 2.08 करोड़ को 100 से अधिक खातों में ट्रांसफर किया गया है। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि ठगों को पकड़ने के लिए साबइर पुलिस काम कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। एनआरआई बुजुर्ग महिला से 6.50 लाख की ठगी स्वीडन में रहने वाली एनआरआई बुजुर्ग महिला से 6.50 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि रिश्तेदारों ने मकान खरीदने व बनवाने के नाम पर यह धोखाधड़ी की। करेली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। शीला सरन पत्नी जवाहर लाल गुप्ता मूलरूप से कोठापार्चा बताशा मंडी की रहने वाली हैं। वह पिछले कई साल से स्वीडन में रह रही हैं। उनका आरोप है कि रिश्तेदार अविनाश गुप्ता, कोनाल गुप्ता व उसकी मां कामिनी गुप्ता ने मकान खरीदने के नाम पर उनसे अलग–अलग बार में 15.80 लाख रुपये लिए। इसमें से मकान स्वामिनी को महज नौ लाख रुपये दिए और शेष रकम अपने पास रख ली। पूछने पर कहा कि मकान बनवाते समय इसका हिसाब हो जाएगा। वह बार–बार रुपये मांगती रहीं और वह किसी न किसी बहाने टालते रहे। दिसंबर 2023 में वापस आकर उन्होंने फिर रुपये मांगे तो गालीगलौज कर हत्या की धमकी दी। करेली प्रभारी राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

महाकुंभ में होगा अद्भुत और लुप्त प्राय पक्षियों का भी संगम, वाइल्ड लाइफ की टीम निगरानी में जुटी

प्रयागराज। अद्भुत महाकुंभ का साक्षी बनने लुप्त प्राय इंडियन स्कीमर का 150 जोड़ा यहां आ चुका है। संगम की रेती पर रंग बिरंगे इन मेहमानों की कलरव गंगा मइया की कल कल से मिलकर अलौकिक राग छेड़ रही है। इसी बर्ड साउंड थेरेपी के लिए देश विदेश से लोग आने लगे हैं। अभी दुनिया में सबसे तेज उड़ान वाले पेरेग्रीन फाल्कन का भी इंतजार किया जा रहा है। जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से तेज रफ्तार वाला यह पक्षी 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार में हवा से बातें करता है। संगम क्षेत्र में यह अलौकिक दृश्य प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों को बढ़ावा दे रहा है। वन विभाग भी इस अवसर को महाकुंभ से पूर्ण बर्ड फेस्टिवल आयोजित कर सेलिब्रेट करने जा रहा है। प्रयागराज में वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि महाकुंभ से पहले ही बड़ी संख्या में अप्रवासी पक्षी प्रयागराज आ रहे हैं। इनके साथ लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर और साइबेरियन सारस भी बड़ी संख्या में हैं। इतनी बड़ी तादात में आने वाले देशी और विदेशी पक्षियों की गणना के लिए वाइल्डलाइफ की टीम लगाई गई है जो दिनरात इन पक्षियों की विशेष निगरानी कर रही है। वाइल्डलाइफ के सामुदायिक अधिकारी केपी उपाध्याय ने बताया कि दुनिया भर में लुप्त प्राय इंडियन स्कीमर करीब 150 से अधिक के जोड़ों में संगम किनारे आ चुकी हैं। यह प्रदूषण को रोकने में काफी हद तक मददगार होती है। यही नहीं ये पानी की शुद्धता को बढ़ाने का भी काम करती हैं। महाकुंभ की शुरुआत से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में

संगम किनारे पहुंचे ये पक्षी देश–विदेश से आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। इंडियन स्कीमर फिलहाल रेत के टीले पर सुबह शाम आपको टहलते हुए आसानी से दिख जाते हैं। यहां मां गंगा के किनारे शेड्यूल वन की इंडियन स्कीमर, साइबेरियन, ब्लैक क्रेन, सारस जैसी 90 से अधिक प्रजातियों के पक्षी फिलहाल महाकुंभ के स्वागत के लिए आ गए हैं। अभी दो साल पहले प्रयागराज में पेरेग्रीन फाल्कन को भी देखा जा चुका है जिसके महाकुंभ के दौरान पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। यह दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी है, जिसकी रफ्तार जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से भी अधिक मानी जाती है। यह 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी अधिक तीव्र गति से उड़ने में सक्षम है। इनके अलावा विभिन्न प्रकार के देशी और विदेशी पक्षी संगम को मुफीद मानते हुए महाकुंभ की शोभा बढ़ाने आ चुके हैं। इनमें साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से ये विदेशी मेहमान महाकुंभ का आनंद बढ़ाने के लिए आए हैं। पक्षी वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रयागराज में बड़ी संख्या में पहुंच चुके इंडियन स्कीमर बहुत ही ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। यह अपने अंडों को बचाने के लिए तरह–तरह के इंतजाम करते हैं। सबसे खास बात यह है कि ये अधिकतर तीन ही अंडे देते हैं। मादा जब अपने पंखों से अंडों को ढक कर उनकी रखवाली करती है तो नर अपने पंखों में पानी भरने जाता है। नर जब वापस लौटता है तो अपने भीगे पंखों से अंडों को नमी देता है। फिर मादा को भेजता है अपने पंखों को नम करने के लिए। भारत में इन्हें पनचीरा भी कहा जाता है, क्योंकि यह पानी को चीरते हुए आगे बढ़ते हैं। इनकी एक चोंच छोटी तो दूसरी बड़ी होती है। साइबेरियन पक्षी गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर टापू को अपना निवास बनाते हैं। इन पक्षियों का आना सर्दियों की शुरुआत का संकेत है। साइबेरिया, मंगोलिया और अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से पहुंचे ये साइबेरियन पक्षी महाकुंभ तक यहां वक्त बिताएंगे। दुनिया में सबसे तेज गति से उड़ने वाला पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन भी महाकुंभ के दौरान संगम तट पर देखा जा सकता है। ये बाज की ही एक प्रजाति है। इसकी उड़ान की रफ्तार 300 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक होती है। इसे रॉकेट बर्ड भी कहते हैं। यह आम तौर पर उत्तरी अमेरिका में मिलता है। इसीलिए इसको जापान और अमेरिका की बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा तेज उड़ने वाला पक्षी माना जाता है। पक्षी वैज्ञानिकों के अनुसार वर्ष 2022 में इसे संगम के किनारे देखा गया था। माना जा रहा है कि महाकुंभ तक यह संगम की शोभा को बढ़ाएगा।

नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर चयनित पहुंचे हाईकोर्ट, शिक्षा सेवा चयन आयोग से जवाब तलब

प्रयागराज। नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग को लेकर टीजीटी–2013 के चयनित अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने उनकी याचिका पर उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग से जवाबी हलफनामा तलब किया है। साथ ही मामले को राजीव कुमार व अन्य की

लंबित याचिका संग छह हफ्ते बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की अदालत ने अलीगढ़ के पंकज कुमार व चार अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की टीजीटी 2013 की लिखित परीक्षा वर्ष 2015 में हुई। 2016 में साक्षात्कार हुआ। 2017 में सभी विषयों के विज्ञापित पदों को घटाते हुए अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसके खिलाफ कई अभ्यर्थियों ने 2018 याचिका दाखिल की थी। इसमें कोर्ट ने सभी विषयों के विज्ञापित पदों पर अंतिम चयन सूची जारी करने व विद्यालय आवंटित करने का आदेश दिया था। इसके अनुपालन में चयन बोर्ड ने 1167 चयनित अभ्यर्थियों का पैनल जारी कर 860 चयनितों को नियुक्ति दे दी। जबकि, 307 चयनित अभ्यर्थियों को आज तक न नियुक्ति पत्र जारी किया गया और न ही विद्यालय आवंटित हुए। इस संबंध में याचियों ने चयन आयोग को प्रत्यावेदन दिया था।

पासपोर्ट गुम होने से ऑस्ट्रेलिया का टूर रद्द... कूरियर कंपनी पर हर्जाना‌य दस साल बाद आया फैसला

प्रयागराज। ब्लू डार्ट एक्सप्रेस कूरियर कंपनी से पासपोर्ट गुम होने पर नवविवाहिता का ऑस्ट्रेलिया का हनीमून टूर रद्द हो गया। इस पर जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी पर केस फाइल करने की तिथि से 5,910 रुपये पर 8: ब्याज के साथ पीड़िता को भुगतान करने का आदेश दिया है। युवती की शादी 9 फरवरी 2014 को हुई थी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 21 फरवरी को हनीमून टूर था। उसने 7 फरवरी को सिविल लाइंस, प्रयागराज में ब्लू डार्ट एक्सप्रेस कूरियर डाक से पासपोर्ट व वीजा बनाने के लिए नई दिल्ली के राजौरी गार्डन में भेजा।

लेकिन, कूरियर उक्त पते पर नहीं पहुंचा। कंपनी से डाक के बारे में पूछने पर भी सही जानकारी नहीं मिली। 18 फरवरी को कंपनी ने उसे बताया कि डिलीवरी गलत जगह पर हो गई। हालांकि, इसके बावजूद पासपोर्ट नहीं मिला। इसके चलते उसका ऑस्ट्रेलिया टूर रद्द हो गया। इस दौरान टिकट आदि समेत पर उसके चार लाख खर्च हुए थे। दो माह में दें हर्जाना आयोग के अध्यक्ष मो.इब्राहिम, सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी की बेंच ने सिविल लाइंस सिद्धि विनायक बिल्डिंग स्थित ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लि. के प्रबंधक और लखनऊ–फैजाबाद रोड स्थित इंदिरानगर के ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लि.के महाप्रबंधक के विरुद्ध 10 साल बाद फैसला सुनाया। आदेश दिया है कि दो माह में 910 रुपये मुआवजा और कोरियर डाक खोने की क्षति के रूप में 5,000 (कुल 5,910 रुपये) 8: के साथ केस फाइल करने की तिथि से पीड़िता को भुगतान करें। 10 साल बाद सुनाया फैसला पीड़िता ने 11 अप्रैल 2014 को जिला उपभोक्ता आयोग में केस फाइल किया था। आयोग ने 10 साल बाद केस में फैसला सुनाया। साथ ही आयोग ने यह भी सुनिश्चित किया कि मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में 5,000 रुपये और वाद खर्च के लिए 2,000 रुपये अतिरिक्त अदा करना होगा। वहीं, कंपनी ने पीड़िता की मांग को गलत ठहराया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062